

DPN 6260

Title : मोहनी साधन विधान MOHANI SĀDHANA VIDHĀNA

Run. No. 6951

Cat. No. 70

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 28.5 x 11

Folios 6

Lines ( in a page ) 11

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor श्री गौरीशंकर / राजेन्द्रश्रेष्ठ

Date: NS / SS / VS / KS 841

Ruler / place Shri Gauri Shankara

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Rajendra Shreshtha

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□ Δ  
ॐ नमः श्री त्रिशक्त्यै ॥ ॥ मोहनी साधन विधान ॥

P.T.O.



Δ सं. ८४१ का. शु. स. बु. १४ कुन्ड वन्ताया श्री गौरीशंकरा अति कष्टन १०  
मोहनी साधन चोस्य कामा जुरो ॥ २५ भं ॥



ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ ॥ मादनी साधन विधान ॥ द्वादश आचार्यः भासियाव न्यासयाय आत्मयुजायादा  
 व ॥ मादनी रुं ठाल खन साय ॥ ॐ ज कि लि श वि च्च क कि नाये रु ४ अ साय रु ६ ॥ ॥ धूय क ॥ ॐ जं जं जं जं व र्व र नि  
 ख नि स्वा ये व ष ट् पा र्ण धूय या मि ॥ ॥ ॐ जं कृ त्ति का ये वि ष रु कू ल दी या य धी म दि । न नः कृ डी य था द यो न ॥ जय  
 त्रय ॥ ॥ आ ख त्र म नु चा या व य त्र य ति स भा य त्र य ॥ ॥ ॐ ज न मो रु ग व ति दू त म ला ये जं द द या य या यू ॥ ॐ शं  
 ध यू त र्णी ॥ ॥ ॐ ज धा त्र अ धा त्र अ धा त्र मू खी व दू या ये ऊं क व चा य दू ॥ त्र का क र्णी ॥ ॥ ध न यू जा या य क थ  
 न स्नान च न सि ध त्र दृ ष्टि ऊ ऊ म का अ दू वा त्र स्नान क लू य ता य र्थ च य ता य त या व च रु मा ध न दू व  
 न य ता स न चा या व व लि न व द म ला न व द अ र्थ या न न ॥ ॥ मू ल म कू ल अ कू ल दारु ल स्नान जा दा  
 व जा य १०८ य त्थ कं श या न स न स्नान अ कू ल ॥ ॥ ध न लि आ चा उ र्थ द द त्रि या य ॥ ॐ अ या दि सृ या धि ॥  
 जय सा न र्त्वी ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय ॥ ॐ अ या दि ॥ य उ मा न स्य श्री म द्भी श्री गि र्ग कि द वी नृ ह्य सि धि मा रु  
 नी सा ध न नि मि त्त र्थ वृ द्धा न वं श्री हृ या यो र्ध न मः ॥ ॐ क लि क लू य कृ ता न धं गु मा र्ग गु री मा त्र उ स क ल कू ला  
 नि स्नान सो ख य दा ना वि दि व रु ल म नू र्त्वी ज न ना य रु सा कू स म रु ल उ ला र्ध र्त्वी कू ला र्क न मा मि ॥ ॥ अ

५४

मादनी

०१

५

०

5

10

15

20

25

3



मादनी

[illegible]







मंगलायेवेऽथैः न्यौ कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ १ ॥ नं ज क ख ग घ ङ क व र्ण म ख वा वा ङ स्यां णी लाये मा रु ध  
 नी च त्रिकाये आग्नेये कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ २ ॥ नं ज च ङ क ख ग घ ङ क व र्ण म ख वा वा ङ स्यां णी लाये मा रु ध  
 या गये के व लि माये कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ ३ ॥ नं ज ट ठ ड ङ क व र्ण म ख वा वा ङ स्यां णी लाये मा रु ध  
 न सिद्धि वट कि न्ये ने म् लो कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ ४ ॥ नं ज त थ द ध न न व र्ण ना लो ऊ य न्या यू ॥ ५ ॥ साये वा  
 ना हि रु द्वा त्रिकाये क णु नि वा न् लो कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ ६ ॥ नं ज य र व रु म ष व र्ण गु ष च त्रि णु नु वाये  
 णी न्द्रा णी किलि किला ये न ऊ कि नी वा य वी कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ ७ ॥ नं ज य त ल व य व र्ण जा नी न का  
 म क उ वा ये वा म् लो कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ ८ ॥ नं ज ण ष स व र्ण ३  
 या द द वी का ट अरु हे म रु ल णी णी ष णी द्वि नी का ष क णी न्ये कृदिकाये अरुहे नवाय या यू ॥ ९ ॥ वलि ॥  
 ज्यादि ॥ नृ द च णु दि ॥ अ सि र्ना ग दि ॥ रु रु का दि ॥ न्द्रा दि ला क पा ल १० ॥ वलि स म म य क्का य ॥ स म य  
 वलि ॥ अ ऊ ना दि ॥ च व ग णि ॥ व नी नि ॥ म रु व लि ॥ ॥ धू य दी य रु ल ने व ङ ॥ य ति षा ॥ ऊ य १०८ ॥ स्ता य ॥ य ऊ मा  
 स्य णी म ङ्गी णी रु न सिद्धा दि ति द वी नृ त्य मे रु सिद्धि का मे न या मो रु नी सा ध ना त्र न वि धे स र्व य त्रि पृ ष्ठ म मु ॥  
 न म स्ता न या य ॥ स म य क्का य रु य ण ॥ मो रु नी या न आ रु ति वि य के गृ वा न थि य ॥ ॥ दं वा णी व दि ॥ न का न क

रु व नि ॥ ॥ आ त्मा णी व दि ॥ नं अ म्भ यू र्व ग र्ण य दं ॥ ॥ न्या स ॥ अ रु ल वि स र्ज नं ॥ सी रा न मू डा न व लि वि स र्ज न ॥  
 ना सि य ॥ ॥ ध न लि मा रु नी रु य वि स्म र्ण न ॥ यी ठि रु न म न रु ग व ति च या उ स ॥ न्ति मा रु नी सा ध न वि क्ष  
 न ॥ ॥ ० ॥ ॥ उं न म्भ णु का ये ॥ न्या स ॥ ॥ सां जं गु षा र्ण न म ॥ सां नृ नी र्ण २ ॥ मूं म ऋ मा र्ण २ ॥ मूं अ ना मि का र्ण  
 न म ॥ सां क नि षा र्ण २ ॥ स ४ क व रु ल यृ षा र्ण न म ॥ क व न्या स ॥ ॥ सां रु द या य न म ॥ सां जि त स स्वा दा ॥ सूं नि स्वा ये  
 व ष ट् ॥ सैं क व चा य दूं ॥ सां न रु न या य वी ष ट् ॥ स ४ अ रु या रु ट् ॥ अ रु न्या स ॥ ॥ आ स नी ॥ आ धा त्र ण क थ या यू ॥  
 अ न ना स ना य या यू ॥ अं क ना य या यू ॥ ना ला य या यू ॥ य म्ना य या यू ॥ य णा य या यू ॥ क ण ना य या यू ॥ क र्ति का ये या यू  
 ॥ ६ ॥ ज ग नृ ण स ना ये या यू ॥ आ र्ण ॥ वे षू वी ण म व ष च ण ख च कृ णा गु रा ग दा य म्भ ना द वी व न मा ला ग ल  
 ष्ठि ता ॥ आ न य र्ण २ ॥ ॥ आ वा रु न रु या न र्ण नि धा न र्ण नि रा ध न क व ची क व णा नि स्ना न या आ र्ण चि म नी य च न न  
 सि नृ व य र्ण धू य दी य ने व ङा नि णी द धी न म ४ या यू ॥ ॥ मू ल न रु या अ लि ४ ॥ ३ ॥ ॥ अ धा त्र अ मा ध व त द वि म ल ट व  
 षू वी वि ष या ॥ ३ ॥ ॥ न ख मू डा ॥ सां रु द या दि ष उ रु ॥ ॥ अं व क्का लो य या यू ॥ अं क मा रु न्ध ये या यू ॥ अं वी को मा र्ण  
 या यू ॥ अं वी वी ये या यू ॥ अं वी वा ना ये या यू ॥ अं र्ण न्द्रा लो य या यू ॥ अं र्ण च म्भु ये या यू ॥ अं र्ण म रु ल णी या यू ॥  
 अं र्ण न्द्रा य या यू ॥ अं र्ण अ म्भ ये या यू ॥ अं र्ण मा य या यू ॥ अं र्ण ने म्भ ये या यू ॥ अं र्ण व नृ ण ये या यू ॥ अं र्ण वी य व या ॥ अं र्ण

३  
 मा रु नी







[illegible]

यायेव जयन्ती वायनाजिता नन्दारुद्रा नथारामा कलायेवायुका तथा ॥ दिश्याग्नीमरुथाग्नी सिद्धियाग्नीमरु  
नी साकिनी कालनायी च उद्धकणी निशाकनी ॥ गरीरायाय वीरुला यवनाङ्गी उत्रामिका रीषणी च मरुनन्दा द्वा  
लाम्खी नथेव च ॥ यिष्ठाचीरुस्तिनी चैव यरुणी धूर्जटी तथा विषरुद्र ४ सर्वसिद्धि सुष्टि त्रिच्छा नथेव च ॥ हूँकारी रा  
खत्री दीर्घा धूमाक्षी कलरुघिया मानङ्गी काकटक्षी च तथा जियत्रचाकनी ॥ नारुसीया ननादा च नकाक्षी विश्वनृषि  
णी जयकत्री प्रोडवीरुत्सी शुक्लाङ्गी नत्रराजिनी ॥ वीत्ररुद्रमहाकाली कंकाली विकृतानना काठलारी मरुडा च वीर्य  
वंगरुयानना ॥ ब्राह्मी च वैष्णवी प्रोडो च त्रिच्छा ॥ नथी तथा वावादी नानसिद्धी च निवदूनी च रुद्र ४ षष्टिका ॥ ॐ दं दं वि  
मरुथाग्नि वलिगृह्णन्नुभसदा ॥ ह्रीं च रुद्र ४ षष्टि यागिनी तथा वलिगृह्णन्नुभसदा ॥ ॐ ति च रुद्र ४ षष्टि यागिनी वलि ॥  
॥ ॥ ज्यादि अदि नथ नयिका स्य नया ॥ ज्यायेयायू ॥ विज्यायेयायू ॥ अजिनायेयायू ॥ अयनाजिनायेया  
यू ॥ ऊरुयेयायू ॥ सुंरुयेयायू ॥ मादयेयायू ॥ आकषयेयायू ॥ ८ ॥ ॥ अत्रात्रुद्रचतुयेयायू ॥ ॐ ॐ यत्रुयेया  
या ॥ उडुचतुयेयायू ॥ मृमृचतुनायिकायेयायू ॥ ९९ चतुयेयायू ॥ ननुचतुयेयायू ॥ उडुचतुयेयायू ॥ अत्र  
४ अत्रिचतुयेयायू ॥ ८ ॥ ॥ अत्रुद्रायेयायू ॥ कंमारुयेयायू ॥ चंकोमायेयायू ॥ टंवेयुयेयायू ॥ नंवात्रायेयायू ॥  
यं ॐ द्वायेयायू ॥ यं चामुयेयायू ॥ गं मरुलयेयायू ॥ ॥ असिनाङ्गरेत्रवाययेयायू ॥ नृनरुत्रवाययेयायू ॥ चतुर्



नवायया॥काधरेनवायया॥उमरुतेनवाययायू॥कलात्रितेनवायया॥लीयलरेनवायया॥सदात्रतेनवाययायू  
 ॥६॥ ॥अ॥१०अवर्गयूवयीभधियतथरुहुकमदारेनवायमदाभमनाधियतथरुहुकिसदिनायस्वयत्रिवाता  
 यअस्मदादीनासर्वशानिकूनुस्वाद॥१॥क०अ॥अग्नेययीभधियतथत्रियूनाकमदारेनवाय॥२॥च०अवर्गया  
 मयीभधियतथअग्निवनालमदारेनवाय॥३॥ट०अवर्गनेजस्ययीभधियतथअग्निजिह्वमदारेनवाय॥४॥न०अत  
 वग्नवाययीभधियतथकालाखमदारेनवाय॥५॥य०अवर्गवाययीभधियतथकायालीमदारेनवाय  
 ॥६॥य०४अवर्गउरुययीभधियतथलीमाखमदारेनवाय॥७॥ग०अ॥शीशानयीभधियतथलीमनूयमदारेनवा  
 य॥८॥अ०३अ०४ययीभधियतथएकयादमदारेनवाय॥९॥उ०३उ०४ययीभधियतथगुकुहुमदारेनवाय॥१०॥  
 द०तस०तम०धयीभधियतथमयरास्वमदारेनवाय॥११॥ ॥लू०००दाययायू॥नू०अ०ग्नयया॥मू०यमायया॥कू०  
 नेज०तथया॥वू०व०न०ययायू॥सू०कू०वायया॥हू०००शानाययायू॥अ०अ०ध०स०यो॥उ०उ०४ययायू॥ ॥ ॥  
 कू०व०द०क०ग०द०चामू०आ०नू०म०द०कालायवर्लिगृह२०नू०म०द०केनवीत्रम०शानायसर्वथावर्लिगृह२॥  
 समयवलिआदिन॥ ॥ ॥अ०ख०उ०म०उ०लाकार॥व०द०स०द०॥शी०श०स०न०॥सि०हू०त्रसा०द०॥मा०या०कू०उ०लि०नी॥या०नी०धा०  
 ना०द०हा०सा०॥या०सा०स०सा०न०ग०क०॥धा०ना०धा०ना०नि०धा०ना०॥य०ध०स्का०नू०द०सि०द्धि॥क०उ०स्का०॥को०मा०नी०वा०ल०नू०यी॥या०पि०या०॥  
 रु०न०म०क०या०॥रु०ग०व०नि०॥म०द०मा०या०॥शी०स०व०रु०॥ ॥स्का०रु०या०क०म०॥ ॥स०६४१का०गु०स०वू०ध०कू०व०का०या०॥शी०गो०नी०नी०क०न०द०अ०ति०

॥गुरु॥  
 कायाकृमा॥गुरु॥  
 कायान्वाधन॥वायु॥कायाकृमा॥गुरु॥  
 माहना  
 क०न०ध०मा०ह०नी०सा०ध०न०वा०यु॥कायाकृमा॥गुरु॥

०

५

०

५

१०

१५

२०

२५

३